ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:27.09.2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2024-09-27 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	28/09/2024	29/09/2024	30/09/2024	01/10/2024	02/10/2024
वर्षा (मीमी)	15	10	6	0	0
अधिकतम तापमान(से.)	32	30	31	32	33
न्यूनतम तापमान(से.)	22	20	21	21	22
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	85	85	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	40	40	30	30	30
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	3	4	4	3	4
पवन दिशा (डिग्री)	110	50	340	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	8	5	4	3

समसारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (20 से 26 सितंबर) क्षेत्र में 0 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.0 से 36.0oC और 24.7 से 26.1oC रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 86-93% और 62-89% के बीच रही, जबकि हवा उत्तर, उत्तर-पूर्व-उत्तर और उत्तर-उत्तर-पूर्व से 0.6-6.3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिन साफ रहे। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 28 सितंबर से 01 अक्टूबर के बीच 0-15 मिमी की हल्की वर्षा हो सकती है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.0-33.0oC और 20.0-22.0oC रहने की उम्मीद है। हवा पूर्व-दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पूर्व, उत्तर-उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम से 3-4 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है। 27 सितंबर को कई स्थानों पर और 28 सितंबर को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 29 और 30 सितंबर को कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है। 27 और 28 सितंबर को कुछ स्थानों पर बिजली चमकने के साथ गरज के साथ बारिश होने की पीली चेतावनी दी गई है।

सामान्य सलाहकार:

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.40-0.60 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 27.09.2024 से 03.10.2024 के दौरान वर्षा में बड़ी अधिकता, तथा सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, पीली चेतावनी के साथ वर्षा का पूर्वानुमान लगाया गया है, इसलिए कृषि गतिविधियों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	प्रजनन अवस्था	आम कीट यानी धान फुदका के प्रकोप पर किसानों को ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम 10 एससी 235 मिली/फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/बुप्रोफेज़िन 25 एससी 1 लीटर/ थियामेथोक्जाम 25 डब्लूएसजी 100 ग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेज़िन, अधिक संक्रमण की स्थिति में ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम और तना छेदक+ब्राउन प्लांट हॉपर के हमले की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी का उपयोग करना चाहिए। सभी छिड़काव पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किए जाने चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक/ शरदकालीन गन्ने की बुआई	सबसे प्रचलित लाल सड़न रोग से बचने हेतु किसानों को प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना होगा और अपने खेतों को साफ रखना होगा। संक्रमित गन्नों को जड़ से उखाड़कर जला देना चाहिए । संक्रमित गन्नों को पूरी तरह नष्ट करना और उपचारित बीजों का उपयोग सर्वोत्तम निवारक उपाय हैं। शरदकालीन गन्ने की बुआई कार्बेन्डाजिम 50% डब्लू पी के 0.1% घोल में 10 मिनट तक उपचारित गन्ना बीज से करनी चाहिए। शरदकालीन बुआई के लिए गन्ने के डंठल का निचला दो तिहाई भाग प्रयोग किया जाता है। सभी कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
मक्का	वनस्पतिक विकास/ परिपक्वता	उचित कृषि उपायों द्वारा कीटों के आक्रमण से बचें। फॉल आर्मी वर्म के हमले की स्थिति में, क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एससी 0.4 मि.ली./लीटर पानी की दर से उपयोग करना चाहिए। मैंकोजेब या जिनेब 75 WP 1.5 -2.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 750- 800 लीटर पानी में ब्लाइट (पीले या भूरे रंग का अंडा जहाज आकार के धब्बे) लगने पर छिड़काव करें । दूसरा छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। मक्के की अगेती किस्मों की तुड़ाई परिपक्व होने पर करनी चाहिए। काटी गई उपज को अच्छी तरह से भंडारित किया जाना चाहिए तथा शरदकालीन बुवाई पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित की जानी चाहिए।
मूंग/उर्द	वानस्पतिक/ फूल बनना	सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए । सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किए जाने चाहिए
सोयाबीन	फूल/ फली विकास	फूल एवं फलियाँ बनने पर आवश्यकतानुसार नमी बनाए रखी जानी चाहिए। सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए।सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किये जाने चाहिए।
मूंगफली	वनस्पतिक विकास/	टिक्का रोग में पत्तियों पर हलके भूरे रंग के गोल धब्बे बन जातें है जिसके चारों ओर निचली सतह पर पीले घेरे होते है। इसके उपचार हेतु खड़ी फसल पर क्लोरोथेनोनिल 2 कि.ग्रा./

	खूटियां या फलिया बनना	मैंकोजेब 80% 2 कि.ग्रा./ प्रोपिकोनाज़ोले 25 ई.सी. 500 मि. ली. मात्रा 800 से 1000 ली. पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से 2-3 छिड़काव 10-12 दिन के अंतराल पे करें। खूटियां या फलिया बनने पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करें और नमी बनाये रखें। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किए जाने चाहिए
तिल	वनस्पतिक विकास	फाइलोडी फाइटोप्लाज्म के कारण होता है जो पौधों, फूलों और पत्तियों के आकार को गुच्छों में बदल देता है और पौधे के हॉपर द्वारा फैलाया जाता है। फसल की समय पर बुआई, मिथाइल-ओ-डिमेटॉन 25 ई.सी. दवा का 1.0 लीटर/हेक्टेयर का 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव और प्रभावित पौधों को जलाने से इसे रोका जा सकता है।कृषि कार्यों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
फूलगोभी	अंकुर विकास	मिट्टी की स्थिति के अनुसार खेत में निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। रासायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिए फ्लूक्लोरोलिन की 1.0 कि. ग्रा. सक्रिय अंश प्रति हैक्टर की दर से पौध रोपण के एक दिन पूर्व करना चाहिए। सभी छिड़काव पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही किये जाने चाहिए। कृषि कार्यों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
मूली/ गाजर/ चुकंदर	अंकुरण/ बुवाई	खेत में नमी बनाए रखनी चाहिए तथा फसल की नियमित निराई-गुड़ाई व पतलापन करना चाहिए।कृषि कार्यों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
पालक/ मेथी	बुआई/अंकुरण	पत्तेदार सब्जियों के लिए बुवाई का यह सबसे अच्छा समय है। पूरे फसल मौसम में 3-4 सिंचाई आवश्यक है और इस अवधि के दौरान मिट्टी में नमी बनाए रखी जानी चाहिए। बुवाई का समय पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
सिट्रस	फ्रूटिंग	यदि सिट्रस पीला मोज़ेक वायरस के लक्षण दिखाई देते हैं तो संक्रमित टहनियों की छंटाई करें और प्रणालीगत कीटनाशक जैसे इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिली/3 लीटर पानी या थियामिथोक्सेम 25% डब्ल्यूजी 1 ग्राम/3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। कीट की प्रारंभिक उपस्थिति के दौरान थियामिथोक्सेम का पहला छिड़काव करें और कीट की तीव्रता के स्तर के आधार पर 15-21 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव दोहराएं।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गोवत्स के पैदा होने के 15 दिन के उपरांत कैल्शियम, मैगनीशियम, फॉस्फोरस , जिंक , आयरन , आयोडीन , कॉपर तत्वों को लवण मिश्रण अथवा मिनरल ड्राप के रूप में सेवन कराएं।
बकरी	ग्रामीण छेत्र में भेड़ एवं बकरियों को टिटेनस टॉक्साईड के 2 टिक्के एक माह पर, दूसरा 5 माह पर अवश्य लगवायें, जिससे नवजात मेमनों को टिटनेस नमक बीमारी न हो।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
पोल्ट्री	नमी की वजह से आहार में फफूँदी लग जाती है जिससे आहार में पोषक तत्व की कमी हो जाने से एफ्लाटॉक्सिकोसिस नामक बीमारी हो जाती है। इससे मुर्गियों के पेट में कीड़े पड़ने से अण्डा देने की क्षमता घट जाती है ऐसी मुर्गियों को पशु चिकित्सक की सलाह से कृमिनाशक दवा महीने में एक बार अवश्य दें।